(फ़ारसी से अंग्रेजी में किए गए अधिकृत अनुवाद का हिन्दी अनुवाद)

दिनाँक: 22 जनवरी, 2010

प्रिय बहाई बन्धु,

विश्व न्याय मन्दिर को 11 जनवरी 2010 का आपका पत्र मिला जिसमें उन सिद्धांतों के बारे में पूछा गया है जो मौजूदा स्थितियों में ईरान के बहाइयों का सामाजिक जीवन में उनकी भागीदारी के लिए मार्गदर्शन कर सकें। विश्व न्याय मन्दिर प्रभुधर्म के हितों को बढ़ावा देने की आपकी अभिलाषा की सराहना करता है और साथ ही, आपके प्रश्नों की स्पष्टता और उनकी महत्वपूर्ण दूरदृष्टि की भी। सर्वोच्च संस्था ने, उनकी ओर से उत्तर देने का दायित्व हमें सौंपा है।

जैसा कि आप अच्छी तरह जानते हैं, आज ईरान में सामाजिक न्याय और जन कल्याण के मूल प्रश्न धर्मांध साम्प्रदायिक राजनीतिक मुद्दों के साथ जुड़ गए हैं। इससे बहाइयों के लिए, जो अपने देश को प्यार करते हैं और इसकी प्रगति की कामना करते हैं, अपने आगे के क़दमों की सर्वोत्तम दिशा चुन पाना कठिन हो गया है। हम आशा करते हैं कि नीचे दी गई बातें बहाई मित्रों के लिए आगे का रास्ता चुनने में सहायक होंगी। बहाई समुदाय के सदस्यों को, चाहे वे कहीं भी रह रहे हों पक्षपातपूर्ण राजनीति या सरकारों के बीच राजनीतिक सम्बन्धों में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए। भौतिक सत्ता के लिए प्रतिस्पद्र्धा में शामिल होने से भी उन्हें हर समय परहेज़ रखना चाहिए। प्रभुधर्म के संदेशों और परामर्शों के अनुरूप ही उन्होंने स्वयं के लिए इस पथ का चुनाव किया है ताकि वे एकजुट और समृद्ध समाज की स्थापना के महान लक्ष्य के प्रति काम करने पर अपना ध्यान केन्द्रित कर सकें। इस पथ को चुनने का उद्देश्य किसी भी राजनीतिक दल की आलोचना या अन्य दलों के रवैये पर टीका-टिप्पणी करना हरगिज़ नहीं है। यहाँ यह कहने की आवश्यकता नहीं कि इस पथ का अनुकरण करने में बहाइयों को किसी प्रकार के विद्रोह या हिंसा के रास्ते को अस्वीकार करना होगा।

पक्षपातपूर्ण राजनीतिक गतिविधियों को अस्वीकार करते हुए बहाइयों को बहुत ही सक्रिय रूप से अपने-अपने देशों की प्रगति और एक बेहतर विश्व के निर्माण के उद्देश्य से सार्वजनिक हित के कार्यों और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ना होगा। इस तरह की

गतिविधियों से उन्हें मौजूदा सामाजिक स्थितियों और विधानों के प्रति पूरा आदर भाव रखते हुए विनम्रता और दूरदर्शिता के साथ जुड़ना चाहिए। कुछ सीखने की भावना प्रमुख होनी चाहिए। ऐसे कामों में समान विचारधारा वाले समूहों और लोगों का सहयोग लिया जा सकता है, विविधता में एकता की शक्ति और आपसी सहायता और सहयोग की क्षमता में पूरा विश्वास रखते हुए।

जहाँ तक रैली और प्रदर्शनों में भाग लेने का सवाल है, बहाई मित्र प्रत्येक देश में ऐसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं जो शांतिपूर्ण और महान उद्देश्यों के लिए हों। जैसे महिलाओं के उत्थान, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना, पर्यावरण संरक्षण, हर प्रकार के भेदभाव की समाप्ति और मानवाधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से। यदि ऐसी गतिविधियाँ अपने मूल उद्देश्य से भटककर पक्षपातपूर्ण या हिंसक रूप ले लें तो निश्चित रूप से इन्हें छोड़ दिया जाना चाहिए।

यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि ईरान के बहाई युवा अपने अन्य देशवासियों के साथ मिलकर सामाजिक न्याय और जनहित के लिए काम करना चाहते हैं। प्रभुधर्म की प्रशासनिक संस्थाएँ बहाइयों की ऊर्जा को संगठित कर एक रचनात्मक दिशा देने और बहाई समुदाय के धार्मिक और सामाजिक कार्यों के आयोजन का माध्यम बनने के उद्देश्यों से ही बनाई गई हैं। यही वजह है कि व्यक्तिगत रूप से बहाई मित्र इन संस्थाओं से इस बारे में अक्सर परामर्श करते हैं कि एक व्यक्ति के रूप में वे किस तरह अपनी सर्वोत्तम सेवाएँ दे सकते हैं। लेकिन ईरान के हालात ने बहाई मित्रों को एक अलग तरह की परिस्थिति में ला खड़ा कर दिया है। एक वर्ष पहले तक बहाई, सरकार की पूरी जानकारी में, उन अनौपचारिक समूहों के परामर्श और सेवाओं का लाभ उठाते थे, जिनका उद्देश्य समुदाय की आध्यात्मिक और सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करना था। फरवरी 2009 में ईरान के महाअभियोजक के बयानों के बाद इन समूहों की गतिविधियाँ बंद कर दिये जाने पर विश्व न्याय मन्दिर ने अनुयायियों को एकता और आपसी सहयोग की शक्ति और दिव्य सम्पुष्टियों पर भरोसा रखने का परामर्श देते हुए आश्वस्त किया था कि वे अपनी आध्यात्मिक और सामाजिक समस्याएँ सुलझाने तथा अपने देश और देशवासियों की सेवा कर पाने का रास्ता निकालने में निश्चित रूप से समर्थ होंगे। विश्व न्याय मन्दिर ने मित्रों को प्रोत्साहित किया था कि वे एक साथ मिलकर परामर्श करें और इस बात का विश्वास रखें कि बहाई परामर्श के सिद्धांतों पर आस्था रखने से उनके प्रत्येक निर्णय और कार्य निश्चित रूप से विवेक और सतर्कता से निर्देशित होंगे। इस प्रकार बहाई युवाओं को सामाजिक कार्यों में अपनी

भागीदारी के बारे में अपने माता-पिता, परिवार के सदस्य या जिन पर भी वे विश्वास करते हों, उनसे अच्छी तरह परामर्श कर लेना चाहिए।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसे परामर्शों से बहाई मित्र यह अच्छी तरह समझ सकंेगे कि प्रदर्शनों में भागीदारी ही समाज के हित में उनके योगदान का एकमात्र या फिर बहुत कारगर रास्ता नहीं है। चाहे अपने व्यक्तिगत आध्यात्मिक उत्तरदायित्वों को पूरा करने में, या फिर ”शुद्ध और अच्छे कार्यों“ के आह्वान के प्रति और ”सराहनीय आचरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता“ में, चाहे समाज के सार्थक संवादों में अपनी भागीदारी के माध्यम से - जैसे लेख लिखकर (जैसा आपने सुझाव दिया है) या फिर सामाजिक और आर्थिक विकास के कार्यों में भागीदारी से - बहाई मित्र उन असंख्य रास्तों की पहचान कर सकते हैं जिस पर चल कर जिनमें वे अपने देश के लिए अपने देशवासियों के साथ मिलकर काम कर सकते हैं।

ऐसे लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने में त्रुटियाँ हो सकती हैं किन्तु मित्रों को एक दूसरे की आलोचना नहीं करनी चाहिये। न ही उन्हें विचारों के मतभेद या विभिन्न कार्य पद्धतियों के ऊपरी विरोध के कारण अपनी एकजुटता और एक दूसरे के प्रति प्रेम को कम होने देना चाहिये, बल्कि इसके स्थान पर उन्हें अपने प्रयासों में और दृढ़ होना चाहिए तथा परिणामों से सीख लेनी चाहिये। मित्रों को हर पल इस बात को लेकर सतर्क रहना होगा कि कुछ पदाधिकारी हर सम्भव उपाय से बहाई समुदाय के अस्तित्व को कमतर करने की साज़िश में लगे हैं। झूठ और आरोपों का सहारा लेकर वे बहाई समुदाय को एक राजनीतिक शक्ति या इस्लाम के दुश्मन के रूप में चित्रित कर रहे हैं। यहाँ तक कि कई बार इन्हें विदेशी ताक़तों का एजेंट तक बताया जा रहा है। वे इस हद तक चले जाते हैं कि कुछ इरानियों को, जो देश की बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं उन्हें ‘बहाई’ की संज्ञा दे देते हैं, यह सोच कर कि ऐसा कर वे जनता की नज़रों से उन्हें गिरा देंगे। अभी हाल में ‘आशूरा’ के मौके पर झूठे आरोपों में कुछ युवा मित्रों की गिरफ्तारी की गई और इसे प्रेस से प्रचारित किया गया। उन पर हथियारों के साथ प्रदर्शनों को आयोजित करने में मदद देने का और देश के हितों के खिलाफ धमकियाँ देने का आरोप लगाया गया और यह कहा गया कि ये सब प्रभुधर्म की संस्थाओं के निर्देश पर हुआ। ऐसे आरोपों का मूल उद्देश्य लोगों के बीच पूर्वाग्रहों को बढ़ावा देना और बहाइयों को सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने से रोकना है, यहाँ तक कि बहाइयों का सर्वोत्तम कार्य भी ऐसे अधिकारियों के कुत्सित इरादों की चपेट में आने से नहीं बच सका है। 2006 में सुविधाहीन परिवारों के बच्चों के लिए सेवा कार्यों में जुटे शीराज के युवाओं की गिरफ्तारी और सज़ा इसी श्रृंखला का एक उदाहरण है।

पिछले तीन दशक के दौरान महानतम नाम के समुदाय को प्रभुधर्म के पालने में ही भारी मुसीबतों और यातनाओं का सामना करना पड़ा है। हालाँकि इसी अवधि के दौरान ईरान के भद्र लोगों की सोच में, विभिन्न सामाजिक मुद्दों को गहराई से देखते और समझते हुए व्यापक बदलाव भी आया। निष्पक्ष ईरानी आज भी बहाइयों के ख़िलाफ लगाये गये आरोपों को बेबुनियाद मानते हैं, वे बहाइयों को निष्ठावान, देशभक्त और अन्य इरानियो की तरह समान अधिकारों के हकदार मानते हैं। प्रगतिशील विचार वाले लोगों को 'बहाई' की संज्ञा देना अब अपवाद स्वरूप रह गया है। अपने देश और देशवासियों के प्रति प्रेम से ओतप्रोत और ऊर्जा तथा उत्साह से भरे युवा बहाइयों का योगदान, लोगों के दृष्टिकोण में इस परिवर्तन का एक बड़ा कारण रहा है। विश्व न्याय मन्दिर उनके प्रति अपनी हार्दिक प्रशंसा और सराहना प्रेषित करता है और यह विश्वास रखता है कि ध्यान और प्रार्थना के ज़रिये तथा अपने बड़ों के समर्थन और प्रोत्साहन से वे सामाजिक प्रगति के प्रति अपने संकल्प और उत्तरदायित्वों को पूरा करने का सर्वोत्तम मार्ग चुन सकेंगे।

हम आपको, आपकी ओर से और साथ ही ईरान के प्रिय युवाओं की ओर से पावन देहरी पर विश्व न्याय मन्दिर की प्रार्थनाओं का भरोसा दिलाते हैं। आप ईश्वर की अनुकम्पा प्राप्त करने और उस आशीर्वादित भूमि के लोगों की भौतिक और आध्यात्मिक प्रगति के कार्यों को सम्पादित करने में अपना योगदान करने में सफल रहें।

बहाई शुभकामनाओं के साथ

सचिवालय विभाग

विश्व न्याय मन्दिर